KURUKSHETRA UNIVERSITY KURUKSHETRA

Scheme of Examination for B.A. Honours Course in the Subject of Sanskrit according to Semester System

w.e.f. Session : 2013-2014

- Total number of Subjects in B.A. Honours : 3 (1 main + 1 Subsidiary + 1 qualifying)
- Total number of Papers in B.A. Honours : 24 (16 main + 6 Subsidiary + 2 Qualifying)
- Total Marks : 2400 (1600+600+200)

Distribution of Papers

- Main Subject (only one): 16 papers of 100 marks each.
- Subsidiary Subject (English Compulsory) : 6 papers of 100 marks each.
- Qualifying Subject (Hindi Compulsory) : 2 papers of 100 marks each.

The abovementioned 24 papers will be distributed over three years (six semesters) of the course as under:

B.A. Honours Part-I (First Year)
w.e.f. Session : 2013-2014

First Semester

- Main Subject (only one): 2 papers (Paper-I & Paper-II) of 100 [80+20 (Internal Assessment)] marks each.
- Subsidiary Subject (English Compulsory): 1 paper of 100 [80+20 (Internal Assessment)] marks.
- Qualifying Subject (Hindi Compulsory): 1 paper of 100 [80+20 (Internal Assessment)] marks.

Second Semester

- Main Subject (only one): 2 papers (Paper-III & Paper-IV) of 100 [80+20 (Internal Assessment)] marks each.
- Subsidiary Subject (English Compulsory): 1 paper of 100 [80+20 (Internal Assessment)] marks.
- Qualifying Subject (Hindi Compulsory): 1 paper of 100 [80+20 (Internal Assessment)] marks.

B.A. Honours Part–II (Second Year)
w.e.f. Session : 2013-2014

Third Semester

- Main Subject (only one): 3 papers (Paper-V, Paper-VI & Paper-VII) of 100 [80+20 (Internal Assessment)] marks each.
- Subsidiary Subject (English Compulsory): 1 paper of 100 [80+20 (Internal Assessment)] marks.

Fourth Semester

- Main Subject (only one): 3 papers (Paper-VIII, Paper-IX & Paper-X) of 100 [80+20 (Internal Assessment)] marks each.
- Subsidiary Subject (English Compulsory): 1 paper of 100 [80+20 (Internal Assessment)] marks.

B.A. Honours Part–III (Third Year)
w.e.f. Session : 2013-2014

Fifth Semester

- Main Subject (only one): 3 papers (Paper-XI, Paper-XII & Paper-XIII) of 100 [80+20 (Internal Assessment)] marks each.
- Subsidiary Subject (English Compulsory): 1 paper of 100 [80+20 (Internal Assessment)] marks.

Sixth Semester

- Main Subject (only one): 3 papers (Paper-XIV, Paper-XV & Paper-XVI) of 100 [80+20 (Internal Assessment)] marks each.
- Subsidiary Subject (English Compulsory) : 1 paper of 100 [80+20 (Internal Assessment)] marks.

Scheme of B.A. Honours in Sanskrit

1. B.A. Honours in Sanskrit is a three year degree course divided into **six Semesters**. The total number of main papers prescribed for this course is **16** (Sixteen). There will be **4** (four) papers in the first year (**2** papers in the First Semester and **2** papers in the Second Semester) and **6** (six) papers in the second year (**3** papers in the Third Semester and **3** papers in the Fourth Semester) and **6** (six) papers in the third year (**3** papers in the Fifth Semester and **3** papers in the Sixth Semester).
2. The maximum marks for each paper will be **100** (One Hundred). The question paper will carry **80** (Eighty) marks and there will be internal assessment of **20** (Twenty) marks in each paper of Semester-I & II.
3. The student of **B.A. Honours in Sanskrit** shall study only one main subject, i.e., **Sanskrit** in all **six** semesters. **English Compulsory** will be the subsidiary subject for all **three** years (**six** semesters). **Hindi Compulsory** will be the qualifying subject only in B.A. Honours, Part-I (First year : Semester-I and Semester-II).
4. The syllabi of the subsidiary and qualifying subjects will be the same as that of B.A. General pass course in these (compulsory) subjects.
5. The minimum number of marks required to pass shall be as under :
   (a) Main subject : **40%** marks in aggregate and **35%** marks in each paper.
   (b) Subsidiary and qualifying subjects : **35%** marks in each paper.
6. For promotion from B.A. Honours Part-I to Part-II and from Part-II to Part-III, a candidate shall be required to clear at least **50%** of theory papers of the main subject as well as other subjects.
7. Eligibility: A person who has passed Senior Secondary Certificate Examination (10+2) of Board of School Education Haryana or an equivalent examination with five subjects having **English** as one of the subjects and has obtained **50%** marks in the aggregate or **50%** marks in the subject offered for the Honours course, shall be eligible to join the B.A. Honours, Part-I (First year), Semester-I.

Special instructions:-

1. Every question paper will carry 80 marks in Semesters I to VI. There will be Internal Assessment of 20 marks in each paper.
2. Maximum time for attempting a question paper will be 3 hours.

कुरुक्षेत्रविश्वविद्यालयः, कुरुक्षेत्रम्

KURUKSHETRA UNIVERSITY KURUKSHETRA

बी.ए.-प्रतिष्ठा-संस्कृत-पाठ्यक्रमः
Syllabus for B.A. Honours in Sanskrit

2013-2014 सत्रतः (w.e.f. Session : 2013-2014)

बी.ए.-प्रतिष्ठा-संस्कृत-पाठ्यक्रमः त्रिवर्षीयः षट्सत्रात्मकश्च वर्तते। अस्मिन् पाठ्यक्रमे षोडश (16) पत्राणि निर्धारितानि सन्ति। तत्र प्रथमे वर्षे चत्वारि (4) पत्राणि द्वितीय-तृतीयवर्षयोश्च प्रत्येकं षट्-षट् (6+6=12) पत्राणि भविष्यन्ति। प्रत्येकं पत्रं अशीत्यङ्कं (80 Marks) भविष्यति, विंशति अङ्काः (20 Marks) च आन्तरिकमूल्याङ्कनार्थं (for Internal Assessment) निर्धारिताः। विस्तृतः पाठ्यक्रमः अधो निर्दिश्यते–

B.A. Honours in Sanskrit is a three-year course divided into six Semesters. The total number of papers prescribed for this course is sixteen (16). There will be four (4) papers in the First year and six (6) papers in the Second year as well as in the Third year. Each theory paper of B.A. Honours in Sanskrit course will carry **80** (Eighty) marks. There will be internal assessment of **20** (Twenty) marks in each paper. The detailed syllabus for the course is given below:

Scheme of papers for B.A. Honours in the subject of Sanskrit

बी.ए.-प्रतिष्ठा, संस्कृतम्, प्रथमो भागः (प्रथमं वर्षम्)
B.A. Honours in Sanskrit, Part-I (First Year)
प्रथमसत्रम् (First Semester)
w.e.f. Session: 2013-2014

Paper – I : रघुवंशम् बुद्धचरितम् च
(Raghuvamsham Buddhacharitam Cha)

पूर्णाङ्कः 80
आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्कः 20
समयः 3 होराः

घटकम्-I: रघुवंशम्, प्रथमः सर्गः – 16अङ्काः
(क) द्वयोः श्लोकयोः व्याख्या। (2x5=10अङ्काः)
(ख) सूक्ति-व्याख्या। (6अङ्काः)

घटकम्-II: रघुवंशसम्बद्धं कविं रघुवंशं वा आश्रित्य एकः आलोचनात्मकः प्रश्नः। 16अङ्काः

घटकम्-III: बुद्धचरितम्, प्रथमः सर्गः – 16अङ्काः
(क) द्वयोः श्लोकयोः व्याख्या। (2x5=10अङ्काः)
(ख) सूक्ति-व्याख्या। (6अङ्काः)

घटकम्-IV: बुद्धचरितसम्बद्धं कविं बुद्धचरितं वा आश्रित्य एकः आलोचनात्मकः प्रश्नः। 16अङ्काः

विशेष निर्देश–

1. प्रश्न-पत्र अधिकतम **80** अङ्कों का होगा। **20** अङ्क आन्तरिक मूल्यांकन के लिये निर्धारित हैं।
2. प्रश्न-पत्र में कुल **पाँच** प्रश्न दिये जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न **16** अङ्कों का होगा। **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम में निर्धारित चारों घटकों पर आधारित तथा अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा। शेष चार प्रश्नों में पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न दिये जाएँगे। परीक्षार्थी को इनमें से प्रत्येक घटक के एक एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा।
3. प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल 80 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न सोलह (16) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।
2. **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

☼

Paper – II : कादम्बरी वासवदत्ता च
(Kadambari Vasavadatta Cha)

पूर्णाङ्काः 80
आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्काः 20
समयः 3 होराः

घटकम्-I: बाणभट्टः, शुकनासोपदेशः (कादम्बरीगतः)। 16अङ्काः

घटकम्-II: शुकनासोपदेशसम्बद्धं लेखकं शुकनासोपदेशं वा आश्रित्य एकः आलोचनात्मकः प्रश्नः। 16अङ्काः

घटकम्-III: सुबन्धुः, वासवदत्ता (चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी; सन् 1954) 16अङ्काः
(क) ''अथ तां प्रीतिविस्फारितेन चक्षुषा'' (पृ० 52) इति प्रारभ्य ''परिजनालक्षित एव तेन सह पुरान्निर्जगाम।'' (पृ० 63) पर्यन्तम्। (8अङ्काः)
(ख) ''स चिन्तामणिनाम्नो राज्ञस्तनयः कन्दर्पकेतुरिति'' (पृ० 137) इति प्रारभ्य ''वासवदत्ता सखीजनेन समं संमुमूर्च्छ।'' (पृ० 144) पर्यन्तम्। (8अङ्काः)

घटकम्-IV: वासवदत्तासम्बद्धं कविं वासवदत्तां वा आश्रित्य एकः आलोचनात्मकः प्रश्नः। 16अङ्काः

विशेष निर्देश–

1. प्रश्न-पत्र अधिकतम **80** अङ्कों का होगा। **20** अङ्क आन्तरिक मूल्यांकन के लिये निर्धारित हैं।
2. प्रश्न-पत्र में कुल **पाँच** प्रश्न दिये जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न **16** अङ्कों का होगा। **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम में निर्धारित चारों घटकों पर आधारित तथा अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा। शेष चार प्रश्नों में पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न दिये जाएँगे। परीक्षार्थी को इनमें से प्रत्येक घटक के एक एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा।
3. प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल 80 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न सोलह (16) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।
2. **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

☼

द्वितीयसत्रम् (Second Semester)

w.e.f. Session: 2013-2014

Paper – III : किरातार्जुनीयम् नीतिशतकम् च
(Kiratarjuniyam Nitishatakam Cha)

पूर्णाङ्काः 80
आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्काः 20
समयः 3 होराः

घटकम्-I: किरातार्जुनीयम्, प्रथमः सर्गः – 16अङ्काः
(क) द्वयोः श्लोकयोः व्याख्या। (2x5=10अङ्काः)
(ख) सूक्ति-व्याख्या। (6अङ्काः)

घटकम्-II: किरातार्जुनीयसम्बद्धं कविं किरातार्जुनीयं वा आश्रित्य एकः आलोचनात्मकः प्रश्नः। 16अङ्काः

घटकम्-III: नीतिशतकम् (सम्पूर्णम्)– 16अङ्काः
(क) द्वयोः श्लोकयोः व्याख्या। (2x5=10अङ्काः)
(ख) सूक्ति-व्याख्या। (6अङ्काः)

घटकम्-IV: नीतिशतकसम्बद्धं कविं नीतिशतकं वा आश्रित्य एकः आलोचनात्मकः प्रश्नः। 16अङ्काः

विशेष निर्देश–

1. प्रश्न-पत्र अधिकतम **80** अङ्कों का होगा। **20** अङ्क आन्तरिक मूल्यांकन के लिये निर्धारित हैं।
2. प्रश्न-पत्र में कुल **पाँच** प्रश्न दिये जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न **16** अङ्कों का होगा। **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम में निर्धारित चारों घटकों पर आधारित तथा अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा। शेष चार प्रश्नों में पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न दिये जाएँगे। परीक्षार्थी को इनमें से प्रत्येक घटक के एक एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा।
3. प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।

—

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल 80 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न सोलह (16) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।
2. **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

☼

Paper – IV : दशकुमारचरितम् शिवराजविजयः च
(Dashakumaracharitam Shivarajavijayah Cha)

पूर्णाङ्काः 80
आन्तरिकमूल्याङ्कनाङ्काः 20
समयः 3 होराः

घटकम्-I: दशकुमारचरितम्, प्रथमोच्छ्वासः – 16अङ्काः
(क) गद्यांश-व्याख्या। (10अङ्काः)
(ख) पंक्ति-व्याख्या। (6अङ्काः)

घटकम्-II: दशकुमारचरितसम्बद्धं कविं दशकुमारचरितं वा आश्रित्य एकः आलोचनात्मकः प्रश्नः। 16अङ्काः

घटकम्-III: शिवराजविजयः, प्रथमो निःश्वासः – 16अङ्काः
(क) गद्यांश-व्याख्या। (10अङ्काः)
(ख) पंक्ति-व्याख्या। (6अङ्काः)

घटकम्-IV: शिवराजविजयसम्बद्धं लेखकं शिवराजविजयं वा आश्रित्य एकः आलोचनात्मकः प्रश्नः। 16अङ्काः

विशेष निर्देश–

1. प्रश्न-पत्र अधिकतम **80** अङ्कों का होगा। **20** अङ्क आन्तरिक मूल्यांकन के लिये निर्धारित हैं।
2. प्रश्न-पत्र में कुल **पाँच** प्रश्न दिये जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न **16** अङ्कों का होगा। **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम में निर्धारित चारों घटकों पर आधारित तथा अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा। शेष चार प्रश्नों में पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न दिये जाएँगे। परीक्षार्थी को इनमें से प्रत्येक घटक के एक एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा।
3. प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।

—

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल 80 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न सोलह (16) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।
2. **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

☼